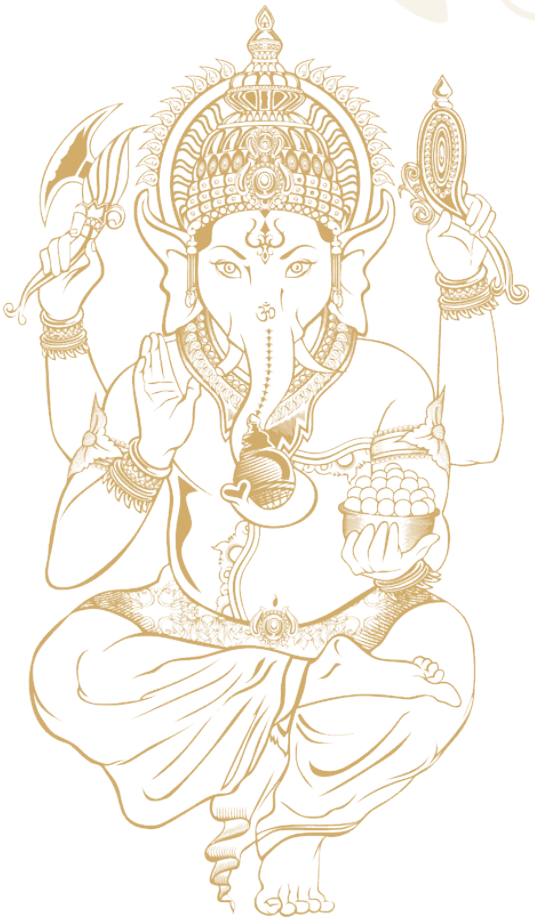

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/09/1996	जन्म तिथि	07/05/1997
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:50:00	जन्म समय	14:34:00 घंटे
घटी 12:19:41	जन्म समय(घटी)	22:54:35 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Hardoi
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	27:23:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	80:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:07	सूर्योदय	05:26:29
18:04:59	सूर्यास्त	18:46:15
23:48:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 9मा 2दि	07:42:18	वृश्चि	लग्न	सिंह	28:28:59	सूर्य 4वर्ष 7मा 21दि
सूर्य	03:42:58	कन्या	सूर्य	मेष	23:01:36	राहु
24/06/2023	00:27:39	धनु	चंद्र	मेष	29:41:05	28/12/2018
24/06/2029	12:38:29	कर्क	मंगल	सिंह	23:28:05	27/12/2036
सूर्य 12/10/2023	28:26:29	सिंह व	बुध व	मेष	05:43:45	राहु 09/09/2021
चन्द्र 12/04/2024	14:26:39	धनु	गुरु	मक	26:22:33	गुरु 03/02/2024
मंगल 17/08/2024	20:22:41	कर्क	शुक्र	वृष	02:03:50	शनि 10/12/2026
राहु 12/07/2025	10:39:55	मीन व	शनि	मीन	20:58:12	बुध 28/06/2029
गुरु 30/04/2026	14:14:08	कन्या व	राहु व	कन्या	03:54:10	केतु 16/07/2030
शनि 12/04/2027	14:14:08	मीन व	केतु व	मीन	03:54:10	शुक्र 16/07/2033
बुध 17/02/2028	06:59:28	मक व	हर्ष	मक	14:50:25	सूर्य 10/06/2034
केतु 24/06/2028	01:14:17	मक व	नेप व	मक	06:07:50	चन्द्र 10/12/2035
शुक्र 24/06/2029	06:58:46	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	10:53:46	मंगल 27/12/2036

लग्न-चलित

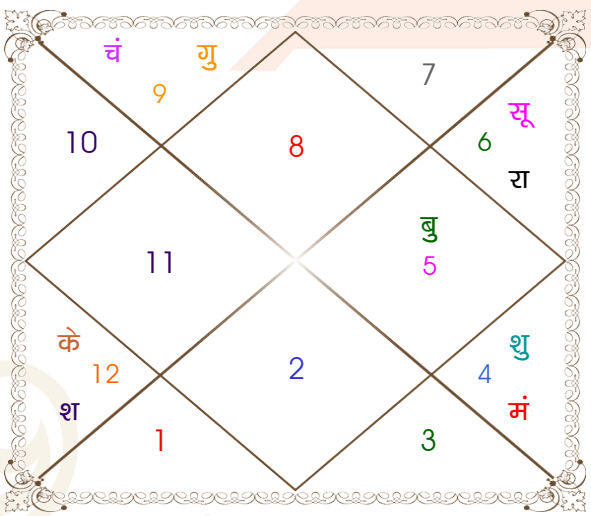

लग्न-चलित

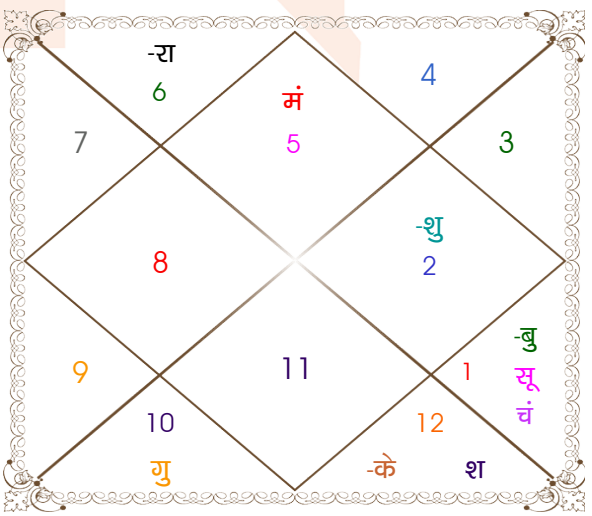

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।